Ref. No. UOU/R3/का॰ परि॰/21/2017/9718

Date 24/01/2018

सेवा में,

1. **प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंगवेजेज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला।**
2. **प्रोफेसर के0 एन0 पाठक, पूर्व कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय, चड़ीगढ़।**
3. **श्री मनोज सिंघल, एफ-1204, चितरंजन पार्क, नई दिल्ली-110 019।**
4. **श्री राकेश भारती मित्तल, उपाध्यक्ष, भारती एंटरप्राइजेज, भारती क्रीसेंट, 1 नेल्सन मंडेला रोड, वंसत कुंज, फेस-2, नई दिल्ली -110 070।**
5. **प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा, उ त्तराखण्ड शासन, देहरादून।**
6. **कुलपति, इन्दिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली**
7. **प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य, विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।**
8. **प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल, निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।**
9. **प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी**
10. **डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।**
11. **श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।**

महोदय/महोदया,

दिनांक **19 दिसम्बर, 2017 (मंगलवार)** को सम्पन्न उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय की **कार्य परिषद की 21वीं बैठक** का कार्यवृत्त संलग्न कर प्रेषित है। कार्यवृत्त में यदि कोई संशोधन हो तो, कृपया अवगत कराने का कष्ट करें ताकि कार्यवृत्त की पुष्टि के समय प्रस्तावित संशोधन को संज्ञान में लेते हुए यथा आवश्यक परिवर्तन किया जा सके।

सादर,

भवदीय,

24/1/18

(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)

कुलसचिव/ सचिव कार्य परिषद

प्रतिलिपि:-

1. सचिव, श्री राज्यपाल/कुलाधिपति सचिवालय, उत्तराखण्ड, देहरादून को कुलाधिपति जी के अवलोकनार्थ प्रेषित।
2. कुलपति जी के वैयक्तिक सहायक को कुलपति महोदय के सूचनार्थ।

24/1/18

(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)

कुलसचिव/ सचिव कार्य परिषद

दिनांक 19 दिसम्बर, 2017 (मंगलवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में मध्यान्ह 12.00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न कार्य परिषद की 21वीं बैठक का कार्यवृत्त।

<u>बैठक में निम्न ने प्रतिभाग किया:-</u>

1.	प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेजेज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला	सदस्य
3.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
4.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
5.	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
6.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा/कुलसचिव उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य सचिव
7.	श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य
8.	प्रोफेसर पी0डी0 पंत, परीक्षा नियंत्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य

सर्वप्रथम कुलसचिव (सदस्य सचिव, कार्य परिषद) द्वारा कुलपति (अध्यक्ष, कार्य परिषद) तथा सभी उपस्थित सदस्यों का कार्य परिषद की 21वीं बैठक में स्वागत किया गया। कुलसचिव ने विशेषरूप से परिषद की बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया का स्वागत किया।

तदुपरान्त कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया का अभिनन्दन किया व उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर बैठक में प्रतिभाग किया।

कार्य परिषद के सभी सदस्यों (आन्तरिक एवं बाह्य) के परिचय के उपरान्त कुलपति जी द्वारा अवगत कराया गया कि कार्य परिषद की पूर्व बैठक दिनांक 19.10.2017 में परिषद के मा0 सदस्य श्री राकेश भारती मित्तल द्वारा कुछ सुझाव दिये गये थे जिनके अनुसार कार्यवाही की गयी है। कुलपति जी ने उनके सुझावों की प्रशंसा की। श्री मित्तल द्वारा सुझाव दिया गया था

कि जो सदस्य कार्य परिषद की बैठक में उपस्थित नहीं हो पाते हैं उनके लिए 'अनुपस्थित के लिए अवकाश' (Leave of Absence) के बिन्दु को भी कार्यसूची (Agenda) में प्रारम्भ में ही सम्मिलित किया जाय तथा कार्य परिषद की सम्पन्न गत बैठक के उपरान्त विश्वविद्यालय को विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों से संबंधित जानकारी को प्रस्ताव के रूप में कार्यसूची में सम्मिलित किया जाय। इस क्रम में कार्य परिषद द्वारा 'अनुपस्थित के लिए अवकाश' के अन्तर्गत श्री राकेश भारती मित्तल को Leave of Absence पर स्वीकृति प्रदान की गयी तथा कुलपति जी द्वारा पूर्व बैठक दिनांक 19.10.2017 के उपरान्त विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण उपलिब्धियॉ जिन्हें कार्यसूची में प्रस्ताव संख्या-21.10 में प्रस्तुत किया गया है, से अवगत कराया गया, जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

1. दिनांक 14 नवम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय का तृतीय दीक्षान्त समारोह आयोजित किया गया। दीक्षान्त समारोह में माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा दीक्षान्त भाषण दिया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 धन सिंह रावत, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री मौजूद रहे। समारोह में सत्र 2016-17 में उत्तीर्ण स्नातक में 1738, परास्नातक में 4766, पी0जी0 डिप्लोमा में 98, डिप्लोमा में 830 तथा प्रमाण-पत्र में 442 कुल 7874 उपाधियॉ प्रदान की गई। माननीय श्री राज्यपाल/कुलाधिपति द्वारा इन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा इन्हीं में से 02 विद्यार्थियों (एक स्नातक स्तर पर एवं एक स्नातकोत्तर स्तर पर) को कुलाधिपति स्वर्ण पदक एवं 03 छात्राओं को डॉ0 प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी' के द्वारा प्रायोजित स्वर्ण पदक दिये गए।
2. शासन से प्राप्त निर्देशानुसार विश्वविद्यालय में शौर्य दीवार का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिसका अनावरण माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, डॉ0 धन सिंह रावत द्वारा दिनांक 29.11.2017 को किया गया। इस शौर्य दीवार के निर्माण का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्रों को प्रदेश के शहीद वीर सपूतों के सम्बन्ध में अवगत कराना है ताकि उनमें देश भक्ति की भावना को जागृत किया जा सके। कार्यक्रम में पूर्व सांसद श्री बची सिंह रावत ने भी आर्शीवाद दिया।
3. उच्च शिक्षा में गुणात्मक व संख्यात्मक प्रबंधन विषय पर दून विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में देश व प्रदेश में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता व शोध कार्यों की गुणवत्ता को बढ़ाना जैसे विषयो पर विचार विमर्श किया गया। इस कार्यशाला में महामहिम राज्यपाल, डॉ0 के0के0 पॉल, उत्तराखंड, केन्द्रीय मानव संसाधन एवं विकास राज्यमंत्री डॉ0 सत्यपाल सिंह व प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने कार्यशाला में उपस्थित प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व प्रदेश के कॉलेजों के प्रधानाचार्यों को संबोधित किया।
4. दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का 12वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर वी0एस0 प्रसाद, पूर्व कुलपति, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा डॉ0 भीम राव अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद ने प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान दिया।
5. विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर डिजिटल क्रान्ति में अपना सक्रिय सहयोग व योगदान के रूप में यूओयू ऐप तैयार किया गया जिसका लोकार्पण डॉ0 धन सिंह रावत, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा दिनांक 29 नवम्बर, 2017 को किया गया। इस ऐप को विद्यार्थी अपने मोबाइल पर डाउनलोड कर सकते हैं तथा इसकी सहायता से वह प्रवेश, पाठ्य सामग्री, सत्रीय कार्य, वीडियो लेक्चर व विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर दी जाने वाली अद्यतन जानकारी व घोषणाओं से अवगत हो सकेगा। अब तक लगभग एक हजार छात्रों द्वारा इस ऐप को डाउनलोड किया गया है।
6. भारत सरकार द्वारा शुरू किये गए डिजिटल कार्यक्रमों की कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा भी प्रदेश की जनता को डिजिटल ऐप की सहायता से विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ उनके निवास स्थान पर ही उपलब्ध करवाई जा रही है। इस

ऐप की सहायता से प्रदेश के दूरदराज के ग्रामीण अपनी सुविधानुसार पानी के बिल, बिजली के बिल, रसोई गैस की बुकिंग, रेल व बस टिकट की बुकिंग का भुगतान और अपने आधार कार्ड की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही वह देश व प्रदेश के अद्यतन जानकारी व घटनाओं से अवगत हो सकते हैं। इस ऐप के माध्यम से पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को अपने बिजली, पानी तथा गैस आदि के बिलों के भुगतान के लिए किसी और पर आश्रित नहीं होना पड़ेगा।

7. विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट का लोकार्पण भी डॉ0 धन सिंह रावत, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तराखण्ड सरकार द्वारा दिनांक 29 नवम्बर, 2017 को किया गया। विश्वविद्यालय की नवीन वेबसाइट नवीनतम ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी में बनी है और इसकी गति अधिक तीव्र है। यह कम इन्टरनेट स्पीड में भी आसानी से खुल सकती है। इसकी सहायता से विद्यार्थी अकादमिक कैलेन्डर, प्रवेश, सत्रीय कार्य, परीक्षा सम्बन्धी जानकारी, परीक्षा परिणाम, कार्यशाला, प्रयोगात्मक परीक्षा, ई-बुक्स (पाठ्य सामग्री) तथा विश्वविद्यालय सम्बन्धी अन्य सभी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकता है। इस नवीन वेबसाइट में 1000-2000 नहीं, बल्कि लाखों वेब पेजेज में कंटेंट है, जिसे प्लेसमेंट छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों व उनकी फीडबैक के आधार पर तैयार किया गया है, ताकि उन्हें सम्बंधित जानकारी आसानी से मिल सके। इसमें इमेज, वीडियो गैलरी तथा सूचना का आर्काइव भी बनाया है। इसके अतिरिक्त इसमें विश्वविद्यालय सामुदायिक रेडियो केंद्र हेलो हल्द्वानी के दैनिक कार्यक्रम की सूची तथा सभी रेडियो कार्यक्रम वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे, ताकि छात्र उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार कभी भी सुन सकें।

8. वर्तमान समय में तकनीक आधारित पाठ्यक्रमों की बढती माँग को ध्यान में रखते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा CEMCA के सहयोग से Open Educational Resources व Moodle विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को Open Educational Resources से अवगत कराना Online Courses के निर्माण के प्रयोग में आने वाले Tools की जानकारी प्रदान करना व Moodle की सहायता से Online Courses का निर्माण करना था।

9. विश्वविद्यालय की वार्षिक/समेस्टर परीक्षा प्रदेश के 51 परीक्षा केन्द्रों मे दिनांक 01 दिसम्बर, 2017 से दिनांक 29 दिसम्बर, 2017 तक आयोजित हो रही हैं। मुख्य परीक्षा के कुल 12,796 परीक्षार्थी, बैक में 8,393 परीक्षार्थी व सुधार परीक्षा में कुल 200 परीक्षार्थी (कुल 21,389) शामिल हो रहे हैं जिनके प्रवेश पत्र ऑनलाईन माह नवम्बर में जारी कर दिये गए हैं। परीक्षा केन्द्रों में औचक निरीक्षण हेतु टीम का गठन किया गया जिसमें 02 से 03 सदस्यों की कुल 09 टीमें नामित की गई हैं। जिसमें प्रथम चरण की टीमें दिनांक 06 से 13 दिसम्बर, 2017तक व द्वितीयचरण की टीमें दिनांक 18 से 22 दिसम्बर, 2017 तक कार्य करेंगी।

10. विश्वविद्यालय द्वारा उसके उद्देश्यों की पूर्ति के साथ-साथ राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) के महत्वपूर्ण सात मानकों- पाठ्यचर्या आयाम, शिक्षण: अधिगम संसाधन, शिक्षार्थी सहायता सेवाएं एवं प्रगति, प्रशासन, नेतृत्व एवं प्रबन्धन, नवाचार एवं उत्तम क्रियायें- को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2016-17 के वार्षिक प्रतिवेदन का विमोचन विश्वविद्यालय के 12वें स्थापना दिवस दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को किया गया।

11. शैक्षणिक सत्र 2018-19 से विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किये जाने वाले पाठ्यक्रमों (Ph. D, Master Degree, Bachelor Degree, Post Graduate Diploma) की यू0जी0सी0 डेब से मान्यता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा यू0जी0सी0 डेब द्वारा निर्धारित प्रारूप में फार्म को ऑनलाईन भरने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

12. लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2017 को प्रात: 7.00 बजे आयोजित 'राष्ट्रीय एकता दौड़' में विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन केन्द्रो में अध्ययनरत छात्रों व विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने सामूहिक दौड़ लगाकर राष्ट्रीय एकता का सन्देश दिया।
13. विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र Society for Application of Science & Technology for Rural Advancement (कोड-17064) के पंजीकृत 08 छात्रों को देश की विभिन्न संस्थाओं में रोजगार प्राप्त हुआ है।
14. शौर्य दीवार अनावरण समारोह में माननीय उच्च शिक्षा मंत्री ने भारत छोड़ो आंदोलन में उत्तराखंड की भूमिका से संबंधित पोस्टर प्रदर्शन भी देखी जो कि समाज विज्ञान विद्याशाखा द्वारा भारत छाड़ो आन्दोलन के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर लगाई गई थी।
15. जापानी भाषा में प्रमाण-पत्र कार्यक्रम को जनवरी सत्र से प्रारम्भ किया जा रहा है इसकी पाठ्य सामग्री तैयार की जा चुकी है।
16. आई0आई0टी0 रूड़की द्वारा मेमोरेन्डम ऑफ एग्रिमेंट के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा प्रस्तावित जल संरक्षण हेतु होने वाली एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला हेतु धनराशि स्वीकृत की गई है।
17. विश्वविद्यालय की विधि विद्याशाखा द्वारा व्यावसायिक अध्ययन विद्याशाखा के सहयोग से दिनांक 27.11.2017 को 'महिलाओं के विधिक अधिकारों के सम्बन्ध में' जागरूकता उत्पन्न करने हेतु बहुविकल्पीय प्रश्नों पर प्रतियोगिता का आयोजन मुख्यालय, हल्द्वानी में किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।
18. विश्वविद्यालय द्वारा गढ़वाल मंडल के बी0एड0 (विशिष्ट शिक्षा) के छात्रों की कार्यशाला का आयोजन दिनांक 28.11.2017 से दिनांक 03.12.2017 तक श्री गुरू राम राय पी0जी0 कॉलेज, देहरादून में किया गया। छ: दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभागियों को व्यवहारिक व सैद्धांतिक जानकारी प्रदान की गई साथ ही शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।
19. माह नवम्बर, 2017 में विश्वविद्यालय के डॉ0 सुमित प्रसाद, सहायक प्राध्यापक, प्रबंध अध्ययन तथा सुश्री ममता कुमारी, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा UGC, HRDC कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल द्वारा आयोजित Orientation Programme पूर्ण कर लिया गया है।

माननीय कुलपतिजी के द्वारा कार्य परिषद की सम्पन्न विगत बैठक के उपरान्त महत्वपूर्ण उपलब्धियों के संक्षिप्त विवरण के पश्चात कार्य परिषद की **बैठक में प्रस्तुत कार्यसूची के प्रस्तावों में से आंशिक रूप से दो प्रस्तावों-21.04 एवं 21.13.01 पर कार्य परिषद द्वारा तुरन्त क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए इसकी तुरन्त पुष्टि की गयी है इसे कार्यवृत्त के साथ संलग्न किया गया है** (इसे भी सभी सम्मानित सदस्यों को उसी दिन प्रेषित किया गया था)। शेष कार्यसूची के प्रत्येक प्रस्ताव पर विचार किया गया तथा निम्नवत् प्रस्तावों पर अनुमोदन प्रदान किया गया:-

प्रस्ताव संख्या 21.01- कार्य परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 13.10.2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

कुलसचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय के पत्र संख्या-यूओयू/आर3/कार्य0परि0/19/2017/9279, दिनांक 29.11.2017 द्वारा सभी सदस्यों को प्रेषित किया गया था कि, यदि कार्यवृत्त के किसी बिन्दु पर असहमति हो, किसी मद में कोई अंश छूट गया हो, अथवा कोई संशोधन अपेक्षित हो तो यथासमय अवगत करा दिया जाय।

तत्क्रम में परिचालित कार्यवृत्त पर माननीय सदस्यों से कोई असहमति/संशोधन प्राप्त नहीं हुआ है। कार्य परिषद द्वारा अवगत होते हुए सर्वसम्मति से 19वीं बैठक दिनांक 13.10.2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या 21.02- कार्य परिषद की 20वीं बैठक दिनांक 13.11.2017 के कार्यवृत्त की पुष्टि।

कार्य परिषद की 20वीं बैठक दिनांक 13.11.2017 विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह से पूर्व आयोजित की गयी थी जिसमें दीक्षान्त समारोह आयोजित किये जाने एवं उपाधियॉ प्रदान किये जाने से संबंधित एक सूत्रीय प्रस्ताव सम्मिलित था जिसका कार्यवृत्त सभी सदस्यों को प्रेषित कर दिया गया था। कार्यवृत्त की कार्य परिषद द्वारा सर्वसम्मति से पुष्टि की गयी।

प्रस्ताव संख्या 21.03- कार्य परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 13.10.2017 एवं 20वीं बैठक दिनांक 13.11.2017 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही।

कार्य परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 13.10.2017 एवं 20वीं बैठक दिनांक 13.11.2017 के निर्णयों पर कृत कार्यवाही में सम्मिलित प्रस्ताव संख्या-19.01 से 20.01 तक प्रत्येक बिन्दु पर हुई कार्यवाही विवरण से कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को विस्तार से अवगत कराया गया जिस पर कार्य परिषद द्वारा अवगत होते हुए सहमति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 21.04- याचिका संख्या-454 (एस0/बी0) ऑफ 2016 में माननीय उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड, नैनीताल द्वारा पारित अन्तिम आदेश दिनांक 14 नवम्बर, 2017 के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव को आंशिक रूप से कार्य परिषद द्वारा तुरन्त क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए इसकी पुष्टि की गयी है जिसे कार्यवृत्त के साथ संलग्न किया गया है।

प्रस्ताव संख्या 21.05 - प्रोफेसर गोविन्द सिंह, प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार को पूर्व में स्वीकृत असाधारण अवैतनिक अवकाश की अवधि आगामी एक वर्ष के लिए विस्तारित किये जाने के लिए कुलपति जी के आदेश पर कार्येतर स्वीकृति प्रदान किए जाने के संबंध में।

कुलसचिव द्वारा परिषद को अवगत कराया गया कि प्रोफेसर गोविन्द सिंह, प्राध्यापक, पत्रकारिता एवं जनसंचार की जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में प्राध्यापक पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर 01 वर्ष के लिए नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप कार्य परिषद की 16वीं बैठक दिनांक 02 दिसम्बर, 2016 के अनुमोदनोपरान्त विश्वविद्यालय परिनियमावली के परिनियम 32(5) के अन्तर्गत पूर्व में दिनांक 09 दिसम्बर, 2016 से दिनांक 08 दिसम्बर, 2017 तक स्वीकृत 01 वर्ष के असाधारण अवैतनिक अवकाश अवधि को प्रोफेसर गोविन्द सिंह के अनुरोध पत्र दिनांक 21 नवम्बर, 2017 के क्रम में कुलपति जी के आदेश दिनांक 27 नवम्बर, 2017 के अनुपालन में विस्तारित करते हुए दिनांक 09 दिसम्बर, 2017 से दिनांक 08 दिसम्बर, 2018 तक 01 वर्ष के असाधारण अवैतनिक अवकाश कार्य परिषद की स्वीकृति की प्रत्याशा में स्वीकृत किया गया है। इससे कार्य परिषद द्वारा अवगत होते हुए कुलपति जी के आदेश पर कार्येत्तर स्वीकृति प्रदान की गयी।

संख्या 21.06- शासन द्वारा स्वीकृत स्थायी पदों के सापेक्ष विश्वविद्यालय के शैक्षिक पदों के स्थायीकरण के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव पर चर्चा से पूर्व डॉ0 देवेश कुमार मिश्र कार्य परिषद से अनुमति लेकर अनुपस्थित रहे। तत्पश्चात कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया कि शासन द्वारा 05 प्राध्यापक एवं 16 सहायक प्राध्यापक कुल 21 पदों का स्थायीकरण शासनादेश संख्या–1020/XXIV(6)/2016-03(01)/12, दिनांक 05 दिसम्बर, 2016 द्वारा किया गया है। प्रस्तुत प्रस्ताव को कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25 मार्च, 2017 में प्रस्तुत किया गया था जिस पर प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों के समस्त शैक्षिक अभिलेख सत्यापित नहीं होने के कारण कार्य परिषद द्वारा निर्देशित किया गया कि प्राध्यापकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन करा लिया जाय। अभिलेख सत्यापन के उपरान्त पुन: प्रस्ताव को कार्य परिषद की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय।

कार्य परिषद के निर्देशानुसार अभिलेख सत्यापन हेतु प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों से संबंधित संस्थानों को पत्र प्रेषित किया गया जिसमें से अधिकांश संस्थानों के द्वारा अभिलेख सत्यापित कर उपलब्ध करा दिये गये थे जिन्हें कार्य परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 13.10.2017 में अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया गया था। कार्य परिषद की उक्त बैठक के उपरान्त प्राप्त सहायक प्राध्यापकों की सूची निम्नानुसार प्रस्तुत है जिनका सत्यापन हो चुका है शेष प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों के अभिलेखों के सत्यापन की प्रक्रिया गतिमान है:-

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	विषय
1.	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र	सहायक प्राध्यापक	संस्कृत
2.	डॉ0 मंजरी अग्रवाल	सहायक प्राध्यापक	प्रबंध अध्ययन
3.	डॉ0 हेमन्त काण्डपाल	सहायक प्राध्यापक	आयुर्वेद
4.	डॉ0 जटाशंकर आर0 तिवारी	सहायक प्राध्यापक	होटल प्रबंधन

उक्तानुसार शासन द्वारा स्वीकृत स्थायी पदों के सापेक्ष विश्वविद्यालय के उक्त शैक्षिक पदों के स्थायीकरण के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव का कार्य परिषद द्वारा अवलोकन कर विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया।

प्रस्ताव संख्या 21.07- शिक्षकों द्वारा किसी अन्यत्र संस्थान में आवेदन करने की अधिकतम सीमा निर्धारित किये जाने के संबंध में विचार।

कुलसचिव ने परिषद को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय में विभिन्न विद्याशाखाओं के अन्तर्गत विभिन्न विषयों में सहायक प्राध्यापक नियुक्त हैं, जिनके द्वारा सह-प्राध्यापक पद पर अन्यत्र संस्थाओं में आवेदन किये जाने हेतु समय-समय पर अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने हेतु प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किये जा रहे हैं। विश्वविद्यालय परिनियमावली में अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने के संबंध में कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण शिक्षकों को देय अनापत्ति प्रमाण-पत्र निर्गत किये जाने की अधिकतम सीमा निर्धारित किये जाने हेतु प्रस्ताव कार्य परिषद के समक्ष इस उद्देश्य से प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि शिक्षकों द्वारा बार-बार अन्यत्र संस्थान में आवेदन किये जाने के कारण विश्वविद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। प्रस्ताव पर विचारोपरान्त कार्य परिषद द्वारा शिक्षकों को वर्ष में 05 बार अन्यत्र संस्थान में आवेदन करने की सर्वसम्मति से सहमति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 21.08- परिवीक्षाधीन सहायक प्राध्यापकों के परिवीक्षावधि पूर्ण होने के संबंध में विचार।

प्रस्ताव पर कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के परिनियम 27 के अन्तर्गत प्रत्येक नियुक्त सहायक प्राध्यापक को एक वर्ष के लिये परिवीक्षा पर रखे जाने का प्राविधान है। परिवीक्षा अवधि को एक अतिरिक्त वर्ष के लिये बढ़ाये जाने का भी उल्लेख परिनियमावली में है। यदि परिवीक्षा अवधि में वृद्धि न की गयी हो तो परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर नियुक्ति को स्थायी किये जाने का प्राविधान है। माह दिसम्बर, 2016 में विश्वविद्यालय में 05 सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की गयी थी जिनकी एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो गयी है। कार्य परिषद की आठवीं बैठक दिनांक 07 मई, 2013 में पारित निर्णयानुसार सहायक प्राध्यापकों के स्थायीकरण करने से पूर्व संबंधित शिक्षक द्वारा स्वमूल्यांकन, जिसमें वर्ष भर किये गये कार्यों का विवरण होगा तथा "गोपनीय आख्या विभागाध्यक्ष के माध्यम से कुलपति जी की सहमति के उपरान्त कार्य परिषद को अनुमोदनार्थ प्रस्तुत की जाएगी" के अनुसार इनकी गोपनीय आख्या प्राप्त हो गयी है, जिसमें इनकी परिवीक्षाधीन अवधि संतोषजनक होने के कारण इनकी परिवीक्षा अवधि समाप्त किए जाने की संस्तुति की गयी है। विश्वविद्यालय में पदों का सृजन प्रारम्भ में शासन द्वारा अस्थायी रूप से वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक किया जाता है तथा प्रतिवर्ष पदों का सततीकरण किया जाता है। वर्तमान में उल्लिखित सहायक प्राध्यापक के पदों का सततीकरण प्राप्त है। कार्य परिषद द्वारा संबंधित सहायक प्राध्यापकों की गोपनीय आख्या का अवलोकन किया गया तत्पश्चात कार्य परिषद द्वारा विचारोपरान्त निम्नलिखित सहायक प्राध्यापकों की परीक्षावधि इस प्रतिबन्ध के साथ समाप्त की गयी कि स्थायीकरण शासन द्वारा पदों के स्थायीकरण के अधीन ही होगा:-

क्रम संख्या	नाम	विषय	योगदान की तिथि	परिवीक्षावधि समाप्ति की तिथि
1.	डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी	ज्योतिष	03.12.2016	02.12.2017
	डॉ0 सीता	मनोविज्ञान	07.12.2016	06.12.2017
2.	डॉ0 शालिनी सिंह	रसायन विज्ञान	07.12.2016	06.12.2017
4.	सुश्री शालिनी चौधरी	अर्थशास्त्र	09.12.2016	08.12.2017
5.	श्री मोहम्मद अकरम	भूगोल	14.12.2016	13.12.2017

प्रस्ताव संख्या 21.09- परिवीक्षाधीन शिक्षणेत्तर कार्मिकों की परिवीक्षावधि पूर्ण होने के संबंध में विचार।

कुलसचिव ने कार्य परिषद को अवगत कराया कि विश्वविद्यालय कार्य परिषद की दिनांक 09 सितम्बर, 2016 को सम्पन्न 14वीं बैठक में विश्वविद्यालय स्थापना के समय नियुक्त कार्मिकों के विनियमितीकरण के संबंध में कार्मिक विभाग की अधिसूचना दिनांक 30 दिसम्बर, 2013 को अंगीकृत किये जाने तथा नियमावली के अनुरूप संबंधित कार्मिकों का विनियमितीकरण किये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। तदक्रम में विश्वविद्यालय स्थापना के समय निश्चित मानदेय के आधार पर नियोजित लिपिक एवं वाहन चालकों के विनियमितीकरण प्रकरण पर विचार हेतु कार्यालय आदेश संख्या-यू0ओ0यू0/ आर1/अधि0/18का0/ 2016/278, दिनांक 21.10.2016 द्वारा गठित विनियमितीकरण समिति की दिनांक 26.11.2016 को विश्वविद्यालय मुख्यालय में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में समिति द्वारा विनियमितीकरण नियमावली-2013 के प्राविधानों के अनुरूप तैयार विनियमितीकरण प्रस्ताव पर विचार किया गया तदोपरान्त विनियमितीकरण नियमावली के बिन्दु 6(3) में वर्णित व्यवस्था के अधीन अन्तिम पात्रता सूची का परीक्षण कर उपयुक्तता के आधार पर 08 कनिष्ठ सहायक एवं 03 वाहन चालकों को विनियमित किये जाने पर समिति द्वारा संस्तुति प्रदान की गयी जिसे कार्य परिषद की 16वीं बैठक दिनांक 02 दिसम्बर, 2016 द्वारा अनुमोदित किया गया।

तदक्रम में विश्वविद्यालय में 08 कनिष्ठ सहायक एवं 03 वाहन चालकों की नियुक्ति की गयी थी जिनकी एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूर्ण हो गयी है।

विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों एवं शिक्षणेत्तर स्टाफ की नियुक्ति एवं सेवा निबन्धन की शर्तें विश्वविद्यालय के प्रथम अध्यादेश के अध्याय-9 में वर्णित हैं जिसमें व्यवस्था की गयी है कि स्थायी पदों पर नियुक्ति एक वर्ष की परिवीक्षा पर होगी, कर्मचारी का कार्य संतोषजनक न पाये जाने पर परिवीक्षावधि बढ़ायी जायेगी। परिवीक्षाधीन कार्मिकों की संतोषजनक सेवा के संबंध में संबंधित विभागाध्यक्षों से गोपनीय आख्या प्राप्त हो गयी है, जिसमें इनकी परिवीक्षाधीन अवधि संतोषजनक होने के कारण परिवीक्षाधीन अवधि को समाप्त किये जाने की संस्तुति की गयी है। विश्वविद्यालय में पदों का सृजन प्रारम्भ में शासन द्वारा अस्थायी रूप से वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक किया जाता है तथा प्रतिवर्ष पद का सततीकरण किया जाता है। वर्तमान में उक्त पदों का सततीकरण प्राप्त है तथा सृजित पदों का स्थायीकरण भी शासन द्वारा ही किया जाता है। अत: इनका स्थायीकरण शासन द्वारा पदों के स्थायीकरण के अधीन ही होगा।

उक्तानुसार कार्य परिषद द्वारा प्रस्ताव से अवगत होते हुए निम्नांकित कार्मिकों की परिवीक्षाधीन अवधि इस प्रतिबंध के साथ समाप्त किये जाने की सहमति प्रदान की गयी कि संबंधित कार्मिकों का स्थायीकरण शासन द्वारा पदों के स्थायीकरण के अधीन ही होगा:-

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	योगदान की तिथि	परिवीक्षावधि समाप्ति की तिथि
1.	श्री हेमचन्द्र	कनिष्ठ सहायक	03.12.2016	02.12.2017
2.	श्री फिरोज खान	कनिष्ठ सहायक	03.12.2016	02.12.2017
3.	श्री भारत नैनवाल	कनिष्ठ सहायक	03.12.2016	02.12.2017
4.	श्री राहुल बिष्ट	कनिष्ठ सहायक	03.12.2016	02.12.2017
5.	श्री बृजमोहन सिंह खाती	कनिष्ठ सहायक	05.12.2016	04.12.2017
6.	श्री त्रिलोचन पाटनी	कनिष्ठ सहायक	05.12.2016	04.12.2017
7.	श्री महबूब आलम	कनिष्ठ सहायक	05.12.2016	04.12.2017
8.	श्री रविन्द्र कुमार कोहली	कनिष्ठ सहायक	05.12.2016	04.12.2017
9.	श्री देवेन्द्र सिंह	वाहन चालक	03.12.2016	02.12.2017
10.	श्री शेखर चन्द्र	वाहन चालक	03.12.2016	02.12.2017
11.	श्री मोहन चन्द्र पाण्डे	वाहन चालक	03.12.2016	02.12.2017

प्रस्ताव संख्या 21.10- विश्वविद्यालय के द्वारा शासन को प्रेषित की जाने वाली मासिक उपलब्धियों के क्रम में माह नवम्बर, 2017 की प्रगति आख्या का अवलोकन।

प्रस्तुत प्रस्ताव से कार्य परिषद अवगत हुई।

प्रस्ताव संख्या 21.11- हैलो हल्द्वानी के कार्यक्रमों की कार्ययोजना एवं कार्य व्यवस्था से परिषद को अवगत कराना।

कुलसचिव द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर विस्तृत जानकारी देने हेतु प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे से अनुरोध किया जिस पर प्रोफेसर पाण्डे द्वारा विस्तृत विवरण कार्य परिषद के सम्मुख प्रस्तुत किया गया जिसमें उनके द्वारा अवगत कराया गया कि

कम्यूनिटी रेडियो के अन्तर्गत हैलो हल्द्वानी कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाये जाने के उद्देश्य से कई नये प्रयोग किये गये हैं। कार्यक्रमों का वर्गीकरण किया गया है जैसे-

मुलाकात कार्यक्रम:- इसके अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलिब्धि प्राप्त व्यक्तियों का साक्षात्कार लिया जाता है जिससे आम जनता तक इसे पहुँचाया जा सके। अभी हाल ही में एवरेस्ट विजेता लवराज सिंह धर्मसत्तू का साक्षात्कार लिया गया था।

विज्ञान की दुनिया कार्यक्रम के माध्यम से हैलो हल्द्वानी विज्ञान के प्रयोगों को सरल भाषा में समुदायों तक पहुंचाने का कार्य कर रहा है। इस दिशा में कार्य आगे बढ़ाने के लिए रेडियो ने विज्ञान लेखक देवेन मेवाड़ी का साक्षात्कार लिया है। उनकी एक दर्जन से अधिक विज्ञान कहानियों व प्रयोगों को हम आने वाले दिनों में प्रसारित करेंगे। **बच्चों की दुनिया** कार्यक्रम में शहर के विभिन्न स्कूलों में जाकर रेडियो क्लब बनाने की शुरुआत की है, ताकि बच्चों को नेतृत्व देने व बोलने की कला सिखायी जा सके, और उनका व्यक्तित्व विकास हो सके।

हमारा विश्वविद्यालय कार्यक्रम में विवि के दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों के लिए सभी विषयों के पाठ्यक्रमों पर रुचिकर रेडियो वार्ताएं भी तैयार की जा रही हैं।। बीएड विशिष्ट शिक्षा विभाग के साथ मिलकर भी हम कार्यक्रम निर्माण कर रहे हैं जिसमें दिव्यांग बच्चों के शैक्षिक पुर्नवास व रोजगार के लिए स्पेशल एजुकेटरों को साक्षात्कार के लिए बुलाकर जानकारी ली जा रही है। व्यावसायिक अध्ययन विभाग तथा कंप्यूटर विज्ञान विभाग के सहयोग से **डिजीटल दुनिया** कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। विधि विभाग के माध्यम से साइबर लॉ तथा इतिहास विभाग के सहयोग से उत्तराखंड के इतिहास पर रेडियो वार्ताएं तैयार की गई हैं। इसी तरह फूड एवं न्यूट्रीशन विभाग के साथ मिलकर भी **आधी आबादी** व **जान है तो जहान है** कार्यक्रम के लिए एपीसोड तैयार किए जा रहे हैं।

शिक्षा का पहिया कार्यक्रम में हम लगातार कोशिश कर रहे हैं कि शिक्षा से जुड़ी बहस व विर्मश को हम अपने शिक्षक समुदाय तक पहुंचा सकें। विभिन्न विश्वविद्यालयों में अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन की 75 वीं वर्षगांठ मनाए जाने के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्णय पर भी इतिहास विभाग की पहल पर रेडियो वार्ताएं की गई।

विवि द्वारा गोद लिए गए पांच गांवों पर भी हमने फोकस किया है वहां के ग्राम प्रधानों से मुलाकात की है। आगामी योजना गांव के लोगों के साथ बातचीत की है।

स्वास्थ्य को लेकर **जान है तो जहान है** नाम से एक नये कार्यक्रम पर कार्य करने की योजना है जिसके तहत शहर के हर विशेषज्ञ डाक्टर से हर बीमारी की विस्तृत जानकारी, रोकथाम पर बातचीत की जाएगी, ताकि लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सकें।

उत्तराखंड मुक्त विवि में शौर्य दीवार के अनावरण कार्यक्रम पर भी रेडियो रिपोर्ट तैयार की गई। इस विशेष कार्यक्रम में परमवीर चक्र पर केन्द्रित कार्यक्रम का निर्माण किया गया, जिसमें कि भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टनेंट जरनल व उत्तराखंड लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष **एम0सी0 भंडारी** का साक्षात्कार लिया गया।

कार्य परिषद द्वारा उक्तानुसार अवगत होते हुए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की विशेष रूप से प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे के प्रयासों की सराहना की।

प्रस्ताव संख्या 21.12- विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका "उडान" के नवीन अंक जुलाई- सितम्बर, 2017 का अवलोकन।

कार्य परिषद द्वारा विश्वविद्यालय की त्रैमासिक पत्रिका "उड़ान" के नवीन अंक जुलाई से सितम्बर, 2017 का अवलोकन किया गया।

प्रस्ताव संख्या 21.13- अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य प्रस्ताव-

प्रस्ताव संख्या 21.13.1- प्रदेश में व्यक्तिगत परीक्षा व्यवस्था समाप्त होने के फलस्वरूप विद्यार्थियों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश सुविधा उपलब्ध कराये जाने के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव को आंशिक रूप से कार्य परिषद द्वारा तुरन्त क्रियान्वयन के निर्देश देते हुए इसकी पुष्टि की गयी है जिसे कार्यवृत्त के साथ संलग्न किया गया है।

प्रस्ताव संख्या 21.13.02- डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र द्वारा प्रस्तुत आवेदन-पत्र पर विचार।

कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र ने अपने आवेदन पत्र दिनांक 18.12.2017 जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है, के माध्यम से उन्हें ग्रेड वेतन ₹6000/- का उच्चीकृत ₹7000/- अनुमन्य कराये जाने तथा शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के अधीन सहायक प्राध्यापक के पद पर उनका स्थायीकरण किये जाने का अनुरोध किया गया है। कुलसचिव ने इस संबंध में परिषद को विस्तार से अवगत कराते हुए सूचित किया कि विश्वविद्यालय परिनियमावली के अध्याय छ: 'विश्वविद्यालय के अध्यापक' शीर्षक के अन्तर्गत परिनियम 28(1) में कैरियर अभिवर्धन योजना हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय-समय पर निर्धारित पात्रता एवं समयावधि को लागू किये जाने का उल्लेख है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशानुसार ग्रेड-वेतन ₹ 7000/- अनुमन्य किये जाने हेतु 04 वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण किये जाने के साथ ही 01 रिफ्रेशर एवं 01 ओरिएन्टेशन प्रोग्राम पूर्ण किया जाना आवश्यक है। परिनियमावली की उक्त व्यवस्थानुसार विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापकों को कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत ग्रेड वेतन ₹6000/- के स्थान पर अर्हता तिथि से ग्रेड-वेतन ₹ 7000/- अनुमन्य किये जाने हेतु गठित वरिष्ठ वेतनमान संवीक्षा समिति की बैठकें विभिन्न तिथियों में विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुई। समिति की संस्तुतियॉ सील बन्द लिफाफों में कार्य परिषद की 19वीं बैठक दिनांक 13.10.2017 में खोली गयीं। डॉ0 दिनेश कुमार, सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र के जाति प्रमाण-पत्र के संबंध में महामहिम कुलाधिपति सचिवालय के पत्र संख्या-2423/जी0एस0/शिक्षा-सी5-11(1)2015,दिनांक 25 सितम्बर, 2017 द्वारा अपर सचिव, उच्च शिक्षा को जॉच कराये जाने के निर्देश दिये गये हैं, इस पत्र की प्रति विश्वविद्यालय को भी पृष्ठांकित है। इस संबंध में कार्य परिषद द्वारा निर्णय लिया गया कि डॉ0 दिनेश कुमार के लिफाफे को उक्त पत्र के आलोक में न खोला जाय। इस संबंध में अवगत कराना है कि डॉ0 दिनेश कुमार के जाति/स्थायी निवास से संबंधित प्रमाण-पत्रों को जिलाधिकारी कार्यालय, देहरादून द्वारा सत्यापित कर पत्र संख्या- 235/सत्यापन/ए0जे0ए0-03/2017, दिनांक 07 नवम्बर, 2017 विश्वविद्यालय को उपलब्ध करा दिया गया है। जॉच के संबंध में डॉ0 दिनेश कुमार ने अपने आवेदन-पत्र में उल्लेख किया गया है कि शासन द्वारा लिया जाने वाला निर्णय उन्हें मान्य होगा।

उक्त के अतिरिक्त इनके स्थायीकरण के संबंध में अवगत कराना है कि शासन द्वारा 05 प्राध्यापक एवं 16 सहायक प्राध्यापक कुल 21 पदों का स्थायीकरण शासनादेश संख्या–1020/XXIV(6)/2016-03(01)/12, दिनांक 05 दिसम्बर,

2016 द्वारा किया गया है। प्रस्तुत प्रस्ताव को कार्य परिषद की 17वीं बैठक दिनांक 25 मार्च, 2017 में प्रस्तुत किया गया था जिस पर प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों के समस्त शैक्षिक अभिलेख सत्यापित नहीं होने के कारण कार्य परिषद द्वारा निर्देशित किया गया कि प्राध्यापकों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन करा लिया जाय। अभिलेख सत्यापन के उपरान्त पुन: प्रस्ताव कार्य परिषद की आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय। कार्य परिषद के निर्देशानुसार अभिलेख सत्यापन हेतु प्राध्यापक/सहायक प्राध्यापकों से संबंधित संस्थानों को पत्र प्रेषित किया गया। इसी क्रम में डॉ0 दिनेश कुमार का स्थायी/जाति प्रमाण-पत्रों एवं शैक्षिक अभिलेखों की सत्यापन आख्या विश्वविद्यालय को प्राप्त हो गयी है।

कार्य परिषद द्वारा सम्पूर्ण प्रकरण का विस्तार से अवलोकन किया गया तत्पश्चात विचारोपरान्त डॉ0 दिनेश कुमार को कैरियर अभिवर्धन योजना के अन्तर्गत पात्रता की तिथि दिनांक 11.08.2015 से ग्रेड-वेतन ₹ 7000/- एवं स्थायीकरण इस प्रतिबन्ध के साथ अनुमन्य किया गया कि जॉच के संबंध में शासन द्वारा लिया जाने वाला निर्णय डॉ0 दिनेश कुमार को मान्य होगा।

कार्यसूची में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श एवं अनुमोदन के उपरांत कार्य परिषद के सदस्य सचिव प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, कुलसचिव द्वारा सभी माननीय सदस्यों विशेषकर बाह्य सदस्य प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी सदस्यों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

अन्त में अध्यक्ष महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर बैठक सम्पन्न हुई।

24/1/18

(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)

कुलसचिव/ सदस्य सचिव, कार्य परिषद

कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

प्रो० नागेश्वर राव
कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी, जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)

दिनांक 19 दिसम्बर, 2017 (मंगलवार) को माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में मध्यान्ह 12.00 बजे विश्वविद्यालय सभागार में सम्पन्न कार्य परिषद की 21वीं बैठक का आंशिक कार्यवृत्त।

<u>बैठक में निम्न ने प्रतिभाग किया:-</u>

1.	प्रोफेसर नागेश्वर राव, कुलपति, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।	अध्यक्ष
2.	प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया, रिटायर्ड डीन ऑफ लैंग्वेजेज, हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, समर हिल शिमला	सदस्य
3.	प्रोफेसर एच0पी0 शुक्ल निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
4.	प्रोफेसर गिरिजा प्रसाद पाण्डे, निदेशक, समाज विज्ञान विद्या शाखा, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
5.	डॉ0 देवेश कुमार मिश्र, सहायक प्राध्यापक, संस्कृत, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य
6.	प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र, निदेशक, प्रबंध अध्ययन एवं वाणिज्य विद्या शाखा/कुलसचिव उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	सदस्य सचिव
7.	श्रीमती आभा गर्खाल, वित्त अधिकारी, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य
8.	प्रोफेसर पी0डी0 पंत, परीक्षा नियंत्रक, उ0मु0वि0वि0, हल्द्वानी।	आमंत्रित सदस्य

सर्वप्रथम कुलसचिव (सदस्य सचिव, कार्य परिषद) द्वारा कुलपति (अध्यक्ष, कार्य परिषद) तथा सभी उपस्थित सदस्यों का कार्य परिषद की 21वीं बैठक में स्वागत किया गया। कुलसचिव ने विशेषरूप से परिषद की बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया का स्वागत किया।

तदुपरान्त कुलपति प्रोफेसर नागेश्वर राव ने बैठक में उपस्थित बाह्य सदस्य प्रोफेसर बी0एस0 पठानिया का अभिनन्दन किया व उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की कि उन्होंने अपना बहुमूल्य समय निकालकर बैठक में प्रतिभाग किया।

बैठक में प्रस्तुत कार्यसूची के प्रस्तावों में से आंशिक रूप से दो प्रस्तावों पर कार्य परिषद द्वारा क्रियान्वयन के उपरान्त पुष्टि की गयी जिनका विवरण निम्नानुसार है:-

प्रस्ताव संख्या 21.04- याचिका संख्या-454 (एस0/बी0) ऑफ 2016 में माननीय उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड, नैनीताल द्वारा पारित अन्तिम आदेश दिनांक 14 नवम्बर, 2017 के संबंध में।

प्रस्तुत प्रस्ताव के संबंध में कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि- विश्वविद्यालय के विज्ञापन संख्या-UOU/R3/Post/217/2013-14/002, दिनांक 08 मई, 2013 द्वारा सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र (उत्तराखण्ड महिला हेतु आरक्षित)-01 पद के प्रति गठित चयन समिति के माध्यम से दिनांक 05 जुलाई, 2014 को साक्षात्कार सम्पन्न किया गया। सम्पन्न साक्षात्कार के उपरांत चयन समिति की सस्तुतियों को सील बन्द लिफाफे में कार्य परिषद की 10वीं बैठक दिनांक 18.07.2014 में प्रस्तुत किया गया। कार्य परिषद द्वारा सहायक प्राध्यापक पदों पर चयन समिति की संस्तुतियों को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया, तदोपरान्त डॉ0 भावना पलडिया की नियुक्ति की गयी।

उक्त नियुक्ति के विरूद्ध डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा सहायक प्राध्यापक, शिक्षाशास्त्र पद पर हुए चयन के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड, नैनीताल में याचिका संख्या-245 (एस0/बी0) ऑफ 2015 योजित की गयी, जिसमें माननीय उच्च न्यायालय द्वारा वादी को अपना प्रत्यावेदन महामहिम कुलाधिपति के समक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के क्रम में डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा महामहिम कुलाधिपति को प्रत्यावेदन दिनांक 28.12.2014 प्रेषित किया गया। प्रत्यावेदन का महामहिम कुलाधिपति सचिवालय के पत्रांक-2705/जी0एस0(शिक्षा)/D7-2/2016, दिनांक 20 सितम्बर, 2016 के माध्यम से निस्तारण करते हुए निरस्त किया गया। इस निर्णय के विरूद्ध डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में याचिका संख्या-454(एस0/बी0) ऑफ 2016 योजित की गयी, जिसे माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 14 नवम्बर, 2017 को अंतिम रूप से निर्णीत करते हुए निम्नांकित आदेश पारित किया गया:-
"the appointment of the fifth respondent, which is to the post of Assistant Professor, will stand quashed and her appointment is also be quashed."

"We direct that the petitioner be appointed to the post of Assistant Professor in Education by the respondent nos. 2 and 3 in place of fifth respondent. The order will be complied with within a period of one month from the date of production of the certified copy of this judgment."

माननीय उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड, नैनीताल द्वारा उक्त पारित आदेश की प्रति याचिकाकर्ता डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा दिनांक 22 नवम्बर, 2017 को विश्वविद्यालय में प्राप्त करायी गयी है।

कुलाधिपति सचिवालय के पत्र संख्या-3231/जी0एस0/शिक्षा/D7-2(Writ)/2017, दिनांक 05 दिसम्बर, 2017 द्वारा विश्वविद्यालय के पत्र तथा डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा के माननीय कुलाधिपति को प्रेषित पत्र दिनांक 26 नवम्बर, 2017 के क्रम में प्रश्नगत विषय पर शीर्ष प्राथमिकता के आधार पर विश्वविद्यालय कार्य परिषद में प्रस्तुत करते हुए कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

डॉ0 भावना पलडिया द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में पुनर्विचार याचिका योजित की गयी, जिसको माननीय उच्च न्यायालय द्वारा आदेश दिनांक 07.12.2017 द्वारा खारिज करते हुए पूर्व निर्णय को यथावत् रखे जाने का आदेश पारित किया गया। इस आदेश की प्रति डॉ0 कल्पना पाटनी लखेड़ा द्वारा विश्वविद्यालय में दिनांक 13.12.2017 को प्रस्तुत की गयी है।

कार्य परिषद द्वारा विचारोपरान्त माननीय उच्च न्यायालय के दिनांक 14.11.2017 के निर्णय का क्रियान्वयन किये जाने पर सहमति प्रदान की गयी।

प्रस्ताव संख्या 21.13.1- प्रदेश में व्यक्तिगत परीक्षा व्यवस्था समाप्त होने के फलस्वरूप विद्यार्थियों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश सुविधा उपलब्ध कराये जाने के संबंध में।

कुलसचिव द्वारा कार्य परिषद को अवगत कराया गया कि उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को दो सत्रों क्रमश: माह जुलाई एवं माह जनवरी में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश की सुविधा अनुमन्य है। शासन द्वारा कुमॉऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल एवं श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय, नई टिहरी द्वारा आयोजित की जाने वाली व्यक्तिगत परीक्षा की व्यवस्था को समाप्त करते हुए ऐसे परीक्षार्थियों को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय में प्रवेश सुविधा अनुमन्य कराये जाने का निर्णय लिया गया है । इस व्यवस्था के फलस्वरूप स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के ऐसे पाठ्यक्रम जिनमें प्रयोगात्मक विषय सम्मिलित नहीं होते हैं, में व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा देने वाले विद्यार्थी अब उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों में पंजीकृत होंगे । माह जुलाई से प्रारम्भ होने वाले विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कैलेण्डर में उक्त श्रेणी के सभी व्यक्तिगत परीक्षार्थी जानकारी के अभाव में पंजीकृत नहीं हो सके हैं। व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों में विशेष प्रवेश की सुविधा तुरन्त अनुमन्य कराया जाना प्रस्तावित है। ऐसे प्रवेशार्थियों की वार्षिक परीक्षा माह जुलाई से प्रारम्भ होने वाले शैक्षणिक कैलेण्डर के प्रवेशार्थियों के साथ आगामी जून, 2018 में सम्पन्न करायी जायेगी।

कार्य परिषद द्वारा विचारोपरान्त सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया कि केवल बी0ए0, एम0ए0, बी0कॉम तथा एम0कॉम0 प्रथम वर्ष के ऐसे पाठ्यक्रम जिनमें प्रयोगात्मक पाठ्यक्रम सम्मिलित नहीं होते हैं उन्हीं विद्यार्थियों को यह सुविधा अनुमन्य कराये जाने तथा ऐसे प्रवेशार्थियों की वार्षिक परीक्षा माह जून, 2018 में सम्पन्न कराये जाने पर सहमति प्रदान की गयी।

(प्रोफेसर आर0सी0 मिश्र)
कुलसचिव/ सदस्य सचिव, कार्य परिषद
कुल सचिव
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी (नैनीताल)

प्रो० नागेश्वर राव
कुलपति
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय
हल्द्वानी, जिला नैनीताल (उत्तराखण्ड)